

देवसहायम पल्लिई

18वीं शताब्दी में ईसाई धर्म अपनाने वाले हद्दू देवसहायम पल्लिई (Devasahayam Pillai) संत की उपाधिप्राप्त करने वाले **पहले भारतीय** होंगे।

- पाप फ्रांसिस 15 मई, 2022 को वेटकिन में सेंट पीटर्स बेसलिका में एक वहिति धर्मसभा के दौरान छह अन्य संतो के साथ देवसहायम पल्लिई को संत घोषित करेंगे।
- वेटकिन सटी रोमन **कैथोलिक चर्च की सीट** है।



प्रमुख बटु:

- देवसहायम पल्लिई का **जन्म 23 अप्रैल 1712** को **तमलिनाडु के कन्याकुमारी** ज़िले के नट्टलम गाँव में हुआ था।
- ईसाई धर्म अपनाने से पहले यह **नीलकंद पल्लिई** के नाम से जाने जाते थे तथा यह मंदिर के पुजारियों के परिवार में पले-बढ़े थे।
- इनहोंने **त्रावणकोर के महाराजा मारतंड वर्मा** के दरबार में सेवा दी और यहीं पर उनकी मुलाकात एक डच नौसैनिक कमांडर से हुई, जिन्होंने उन्हें कैथोलिक धर्म के बारे में सखियाया।
- वह वर्ष 1745 में कैथोलिक बन गए तथा इनहोंने ईसाई धर्म अपनाने के बाद **'लेज़ारूस' (Lazarus)** नाम रख लिया था लेकिन बाद में **देवसहायम (भगवान की मदद)** के नाम से जाने गए।
- उसके बाद उन्हें धर्मांतरण के खिलाफ **त्रावणकोर राज्य के प्रकोप** का सामना करना पड़ा।
- 14 जनवरी, 1752 को कैथोलिक बनने के ठीक सात वर्ष बाद देवसहायम की अरलवाइमोझी जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई।
 - तब से इन्हें दक्षिण भारत में व्यापक कैथोलिक समुदाय द्वारा शहीद माना जाता है।
 - इनकी कबर **तमलिनाडु के कन्याकुमारी ज़िले के कोट्टार** सूबा के **सेंट फ्रांसिस जेवियर कैथेड्रल** में है।
- चर्च का विचार है कि **जातगित मतभेदों के बावजूद सभी लोगों की समानता** का उनका उपदेश अंततः उनकी शहादत का कारण बना।
- ईसाई धर्म अपनाने का फैसला करने के बाद **"बढ़ती कठिनाइयों को सहन करने"** के लिये उन्हें पहली बार फरवरी 2020 में संत की उपाधिप्राप्त करने के लिये मंजूरी दी गई थी।

धर्म का वर्गीकरण

- **परचिय:**
 - दुनिया के प्राथमिक धर्म दो श्रेणियों में आते हैं:
 - **अब्राहमिक धर्म:** ईसाई धर्म, यहूदी धर्म और इस्लाम
 - **भारतीय धर्म:** हद्दू धर्म, बौद्ध धर्म, सखि धर्म और अन्य।
- **ईसाई धर्म:**
 - दो अरब से भी अधिक अनुयायियों के साथ **ईसाई धर्म** सबसे बड़ा धर्म है।
 - ईसाई धर्म **यीशु मसीह** के जीवन और शकिषाओं पर आधारित है और लगभग **2,000 वर्ष** पुराना है।
 - ईसाई धर्म का सबसे बड़े समूह में रोमन कैथोलिक चर्च, इस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च और प्रोटेस्टेंट चर्च है, और इसका पवित्र ग्रंथ बाइबल है।

- सदरियों से ईसाई धरुड के अनुयायियों की संख्या डें वृद्धि हुई है कुर्योंक यह अकसर मशिनररियों और उपनविशवादरियों के माध्यम से दुनिया डर डें फैल गया ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/devasahayam-pillai>

